

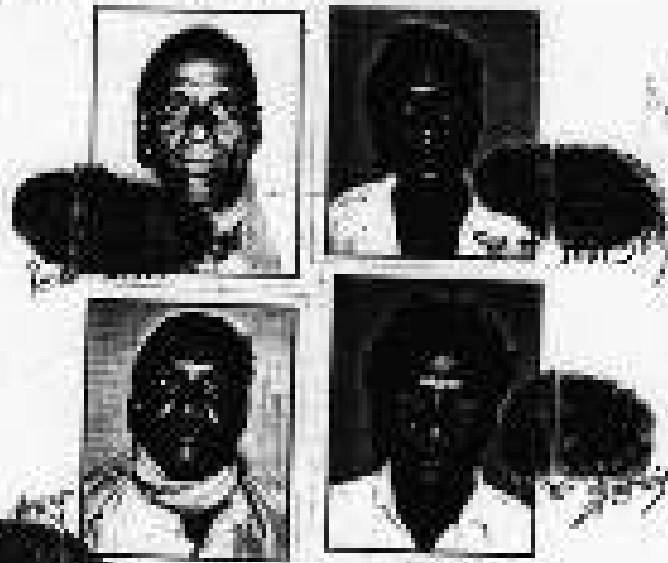
13/5

7006



राज्य प्रदेश UTTAR PRADESH

312345



पञ्चम-पत्र

संज्ञा पत्र का सविस्तार विवरण

- | | |
|-------------------------------------|----------------|
| 1. व्यक्ति का प्रकार | : कृषि |
| 2. पदनाम | : सचिव |
| 3. पद | : अध्यापक |
| 4. दायित्व का विवरण (सम्बन्धित नं०) | : सचिव नं० 788 |
| 5. दायित्व की इकाई | : इकाई |
| 6. विद्यमान सन्धि का संख्या | : 9.183 इकाई |

वि. स. न्यायपालिका

वि. स. न्यायपालिका

वि. स. न्यायपालिका

वि. स. न्यायपालिका

वि. स. न्यायपालिका



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

312346



-2-

- | | |
|-----------------------|--|
| 7. सम्पत्ति का प्रकार | : सुलानपुर रोड से 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। |
| 8. बेलों का गुणवत्ता | : कोई भी नहीं है। |
| 9. सोलर कुल्लाख | : कुछ भी नहीं है। |
| 10. परिवार की संख्या | : ₹ 9,49,221/- |
| 11. परिवार | : ₹ 8,30,251/- |
| 12. स्थाप | : ₹ 95,000/- |

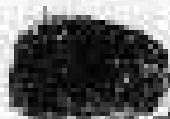
बीजपुरी

बीजपुरी अस्सल संख्या-766

- | | |
|--------|-------------------------|
| मूल | : अस्सल संख्या-650 |
| परिवार | : अस्सल संख्या-764, 767 |
| ऊपर | : अस्सल संख्या-765 |
| परिवार | : अस्सल संख्या-650 |



वि. सं. 10/10/2014



वि. सं. 10/10/2014

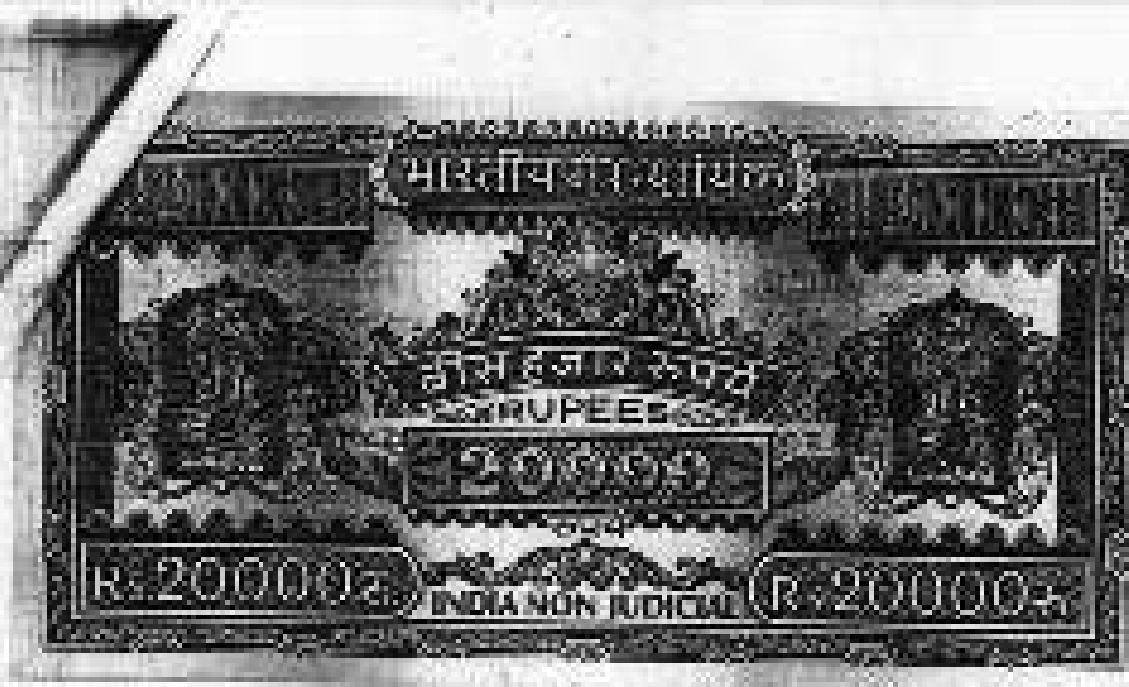


वि. सं. 10/10/2014

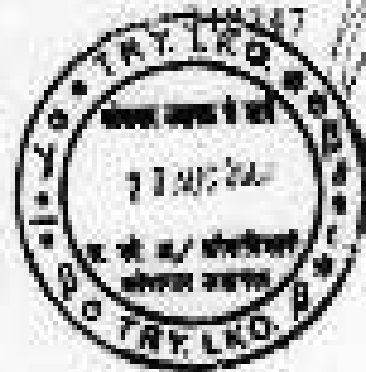


वि. सं. 10/10/2014

वि. सं. 10/10/2014



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 5 -

प्रथम पक्ष की संख्या-04

द्वितीय पक्ष की संख्या-01

विश्लेषण का विवरण	क्षेता का विवरण
(1) राम खेलावन (2) माता प्रताप (3) सखू (4) कुलवन्त पुत्रगण मिहारी, मिहारीगण- ग्राम अहमामऊ, दखाना, तहसील व जिला-अहमामऊ। व्यवसाय - कृषि	मिली जाल पुत्र बर्बसास, मिहारी- मिहारी, पोस्ट-नखाना, जिला-दौलतपुर, उत्तरप्रदेश। व्यवसाय - कृषि



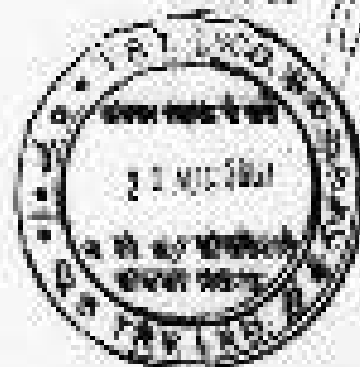
Handwritten signature or text.





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

312348



विशेष निलेख

एक विशेष निलेख (१) राम खेलावन (२) माता प्रसाद (३) जगन्
(४) सुतपन्ध पुष्पाग गिरवाली, निवासी-ग्राम अहममदन,
बलरामा, तहसील व जिला-बलरामक जिन्हे आगे विवेकात्मक दला
गया है, एवम् जिन्ही जाल पुत्र बालेजाल, निवासी-मिर्जापुर,
मिर्जापुर, बोल-बकाल, जिला-बलरामपुर, २०५० जिन्हे आगे प्रेता
दला गया है, के मध्य निवासीत किया गया।

दि. ११/५/६१

दि. ११/५/६१

दि. ११/५/६१

दि. ११/५/६१

दि. ११/५/६१



0088 804651



- 5 -

जो कि विज्ञापन मालिक, कर्मिल व कर्मिल आरजी
 कृषि भूमि अंतरा नं० 766 एका 0.183 हेक्टर, जिला
 राम-अजमक, पटना, तहसील व जिला लखनऊ, के हैं, जो
 कि उसे बरतनन भाल हुई है, जो कि छातीनी जल्दा-00300 के
 अनुसार राजस्व अभिलेखों में विज्ञापन के नाम का अमल बरतन
 हो गया है, विज्ञापन अमल रामपुरी जिल्दा अमल पूरे होना
 हजार में बिना किसी और बरतनली का बरतन के, जल्दा को इस
 विज्ञापन जिल्दा द्वारा विज्ञापन बरतन है। विज्ञापन जल्दा

विज्ञापन

विज्ञापन

विज्ञापन

विज्ञापन

विज्ञापन

सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कामिल व कब्जिज है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि खूनि भूमि है, और यह कि विच्छेतागण यह घोषित करता है। कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं भाक व साक है तथा विच्छेतागण ने उसे इस विषय के पूर्ण बखी मय, हिबा, गिरवी या अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का बस्तु नियत नहीं है, न ही कुछ इत्यादि है। विच्छेतागण के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वाम, हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं विच्छेतागण को उक्त विषय अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सहमति के फलस्वरूप रु० 9,49,221/- (रुपया नौ लाख अन्नात्स हजार दो सौ इक्कीस मात्र) के प्रतिकूल में जिसका कि उपरोक्त नौता द्वारा विच्छेतागण को इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार गुप्तान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विच्छेतागण नहीं स्वीकार करते हैं, तदनुसार उक्त विच्छेतागण उक्त नौता के साथ उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विच्छेता विलेख के अन्त में अनुसूची के

सि.क. १०८६५

सि.क. १०८६५

सि.क. १०८६५

सि.क. १०८६५

अर्न्तगत दिया गया है, को यहाँ से दे दिया है, एवं विवेकागण ने विक्रयशुदा भूमि का पौके पर करना होता को यहाँ से दे दिया गया है। अब कता आरक्षी पर विवेकागण तथा उसके वारिसान का कोई अधिकार नहीं है। विवेकागण ने विक्रयशुदा सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व स्पेशा के लिए कता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब कता विक्रयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व करने में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं अलग व उपयोग करने। विवेकागण उसमें किसी प्रकार की अड़मन बाधा नहीं डाल सकती एवं न ही कोई पाग कर सकते। और यदि विक्रयशुदा सम्पत्ति अथवा कोई भाग विवेकागण के स्वामित्व में त्रुटि के कारण या कानूनी अड़मन या कानूनी त्रुटि के कारण कता या उसके वारिसान निषादकगण इत्यादि के करने या अधिकार या स्वत्व से निवृत्त जावे तो कता उसके वारिसान, निषादकगण इत्यादि को यह एक होगा कि वह अपना समस्त मुकदाम मय हर्जा व खर्चा, विवेकागण व उसके वारिसान की चल, अचल

वि. वि. अ. अ. अ. अ.

वि. वि. अ. अ. अ. अ.

वि. वि. अ. अ. अ. अ.

वि. वि. अ. अ. अ. अ.

वि. वि. अ. अ. अ. अ.

सम्पत्ति से जलिये अदालत बसूल कर ले। उस स्थिति में विप्रेक्षमाण एवं उसके पारिसान हर्जा व खर्चा देने हेतु बाध्य होंगे।

यह कि जेता विक्रयशुदा सम्पत्ति की दाखिल खातिज राज्यस्व अमिलेखों में अपने नाम दर्ज करा लें तो विप्रेक्षमाण को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विप्रेक्षमाण के पूर्व या अगर कोई बकाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विप्रेक्षमाण मुक्तान व बहन करेंगे, विप्रेक्षमाण को कोई आपत्ति नहीं होगी।

यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर बाग अहममक अर्धनगरीय क्षेत्र के अति विशिष्ट बाग के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सरकिल रेट रु० 17,50,000/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब निर्धारित है, जिसके अनुसार विक्रीत खसरा 0.183 हेक्टेयर की मालिकता रु० 3,20,250/- होती है, चूंकि विक्रय मूल्य भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु० 95,000/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए तैयार की जा रही है। इस भूमि में कोई पेड़, कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है, तथा

मि. 30.10.19

मि. 30.10.19

मि. 30.10.19

मि. 30.10.19

मि. 30.10.19

200 मी० के अर्धवृत्त में कोई निर्माण नहीं है। विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि सुलतानपुर रोड से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेतागण एवं क्रेता दोनों अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इन विक्रय विलेख के निबन्धन का समस्त खस क्रेता द्वारा बहन किया गया है।

लिहाजा यह विक्रय विलेख विक्रेतागण व क्रेता के पक्ष में लिख दिया ताकि सदा रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आये।

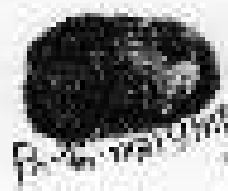
परिशिष्ट : विक्रयशुद्ध सम्पत्ति का विवरण

आराजी कृषि भूमि खसरा नं० 766 रकबा 0.133 हेक्टेअर, स्थित ग्राम-आहनाऊ, परगना, तहसील व जिला लखनऊ।

परिशिष्ट : भुगतान विवरण

1. विक्रेतागण को रु० 9,49,221/- (रुपया नौ लाख उन्चास हजार दो सौ इक्कीस मात्र) द्वारा केस संख्या क्रमांक:- 534023, 534024, 534025, 534026 दिनांकित


जिला मजिस्ट्रेट, लखनऊ


जिला मजिस्ट्रेट, लखनऊ


जिला मजिस्ट्रेट, लखनऊ




जिला मजिस्ट्रेट, लखनऊ

21.08.2007 पंजाब नेशनल बैंक, शाखा- हजरतगंज,
लखनऊ जेता से प्राप्त हुए।

इस प्रकार कुल वित्तिय मूल्य रु० 9,45,221/- (सगंधा नौ
लाख अघास हजार दो सौ इक्कीस मात्र) विजेंतागण ने जेता से
प्राप्त किये गइल जिसकी प्राप्ति विजेंतागण स्वीकार करता है।

नोट : पृष्ठ संख्या-9 पर चेक संख्या पेन से लिखा है।

लखनऊ

दिनांक: 21.08.2007

गवाह जेता की प्रमाणित है।

1. Sumit Dandia - Dandia
होन डंडा डंडा
अधिकांश गवाह
2-12-07

2. ज. अली अ. लो
ज. अ. अ. लो
ज. अ. लो
ज. अ. लो

टाइपकर्ता

(राम सनेही)

सिविल वॉट, लखनऊ

विजेंतागण

विजेंतागण
विजेंतागण
विजेंतागण

मसविदायता

(होखद अजित हुसैन)

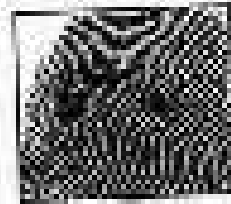
एडवोकेट

गाम :
 तहसील :
 जिल्हा :
 पोस्ट :

₹ 21,000/- ₹ 21,000/-

किंमत ₹ 5,000.00 40 3,400.00 3,000
 रोक तिफ्टी वापर व को मुक्त कोन नसत

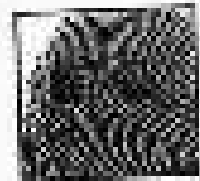
श्री श्रीमती राज बोरस
 पुत्र / पुत्री श्री निवारी
 पोस्ट वापर
 निवारी पोस्टी राज बोरस
 अहमदनगर
 २१/०१/२००७ २००७ ०२/०१/२००७
 को निवारी पोस्टी पोस्ट पोस्ट



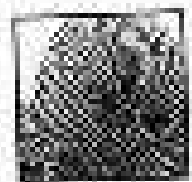
निवारी
 राज बोरस
 राज निवारी (पुत्री)
 ललनन
 21/01/2007

निवारी पोस्टी राज बोरस व निवारी पोस्टी राज बोरस निवारी राज बोरस निवारी राज बोरस

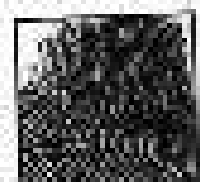
श्री श्रीमती राज बोरस
 पुत्र / पुत्री श्री निवारी
 पोस्ट वापर
 निवारी राज बोरस



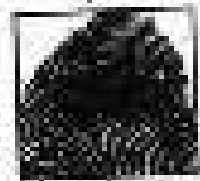
श्री श्रीमती राज बोरस
 पुत्र / पुत्री श्री निवारी
 पोस्ट वापर
 निवारी राज बोरस



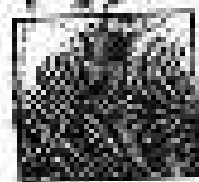
श्री श्रीमती राज बोरस
 पुत्र / पुत्री श्री निवारी
 पोस्ट वापर
 निवारी राज बोरस



श्री श्रीमती राज बोरस
 पुत्र / पुत्री श्री निवारी
 पोस्ट वापर
 निवारी राज बोरस



श्री श्रीमती राज बोरस
 पुत्र / पुत्री श्री निवारी
 पोस्ट वापर
 निवारी राज बोरस

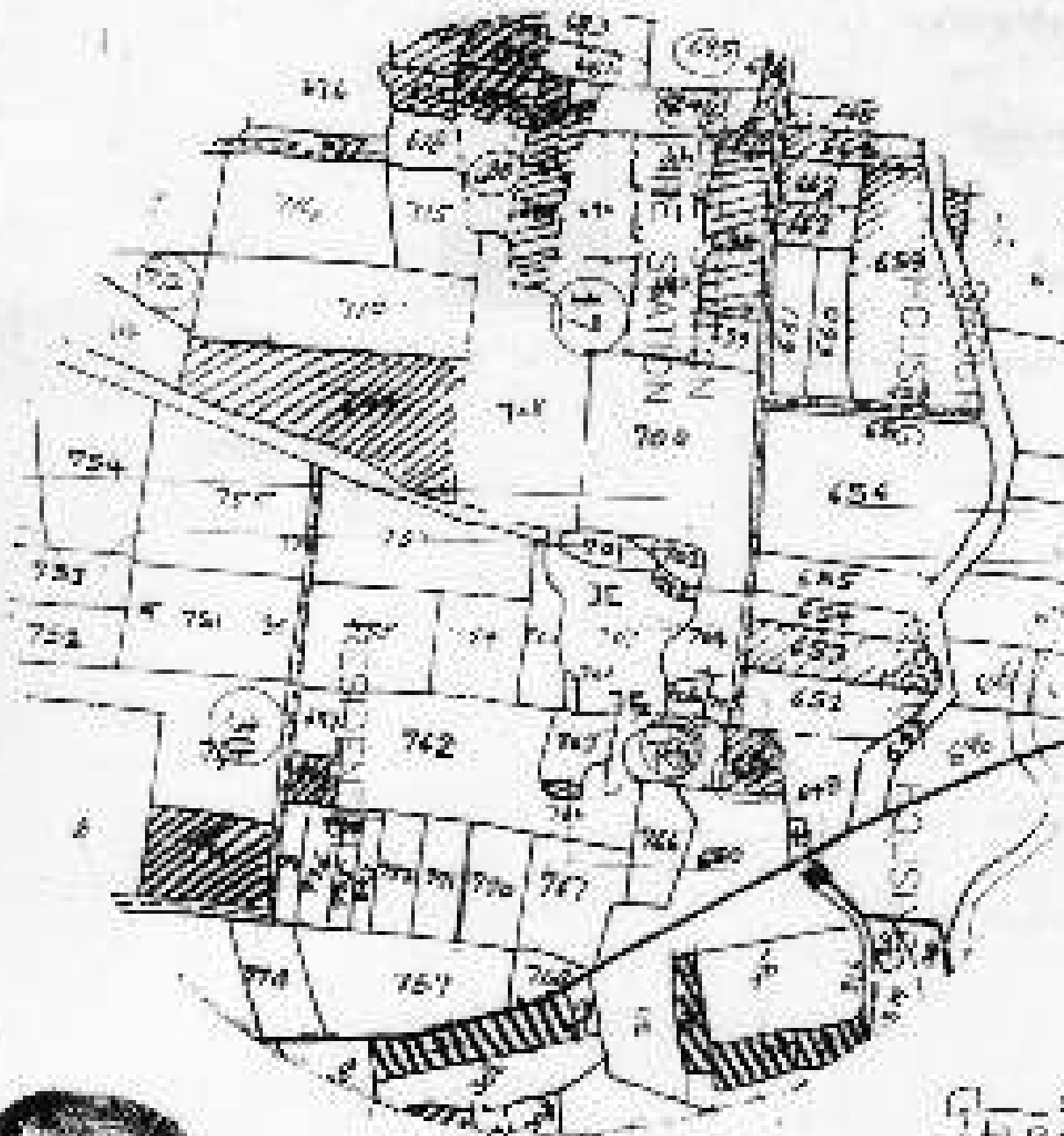


नक्शा नजरी

अ.ह.स. 37

सरा सरका - 76.6
 विजेता - 76.6
 फेला - 76.6

विशेषीत समिति के निवात रिषत समस्त समितियों का विवरण



मि. अ. अ. अ.

मि. अ. अ. अ.

मि. अ. अ. अ.

मि. अ. अ. अ.

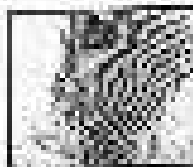
मि. अ. अ. अ.

रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र / दिल्ली
कम. सं.

३ दिवसों की अवधि में ।
 दिनांक २०२० के पूर्णतः पूर्णतः
 पुनः की जायेगी
 दिनांक २०२०
 दिनांक २०२०-२०२०-२०२०
 दिनांक २०२०-२०२०-२०२०
 दिनांक २०२०-२०२०-२०२०
 दिनांक २०२०-२०२०-२०२०
 दिनांक २०२०-२०२०-२०२०

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]



२०२०-२०२० के दिनांक २०२०-२०२०-२०२०

[Handwritten signature]
 एन.एन.पान
 एन.एन.पान (द्वितीय)
 एन.एन.पान
 २०२०-२०२०

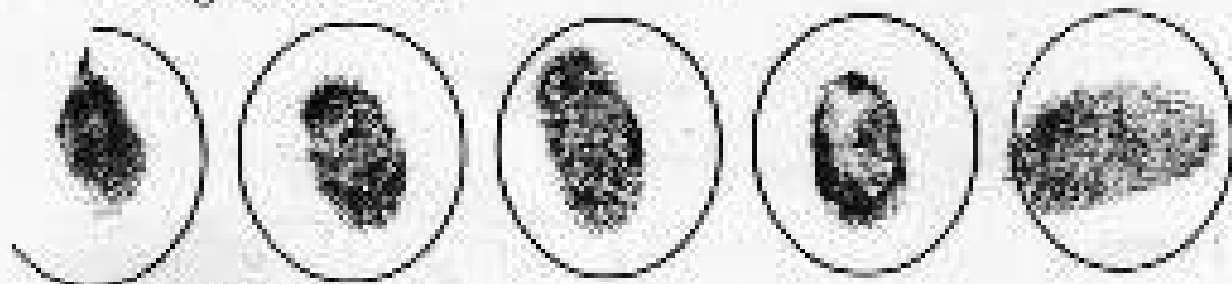
[Faint handwritten text]

अ. आधि. 1908 की धारा - 32 सु. के अनुयायन हेतु.

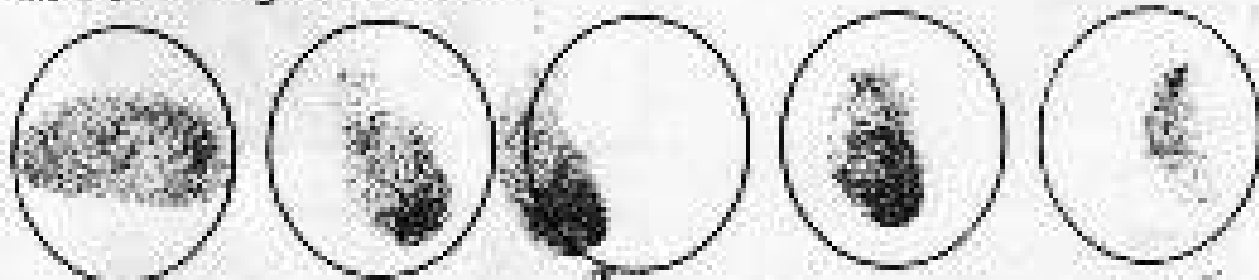
फिंजर प्रिन्ट्स

विकेता नाम व पता :- श्री. दीनमोहन गुप्त, सिद्धपुरा

के अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



विकेता / कोला नाम व पता :-

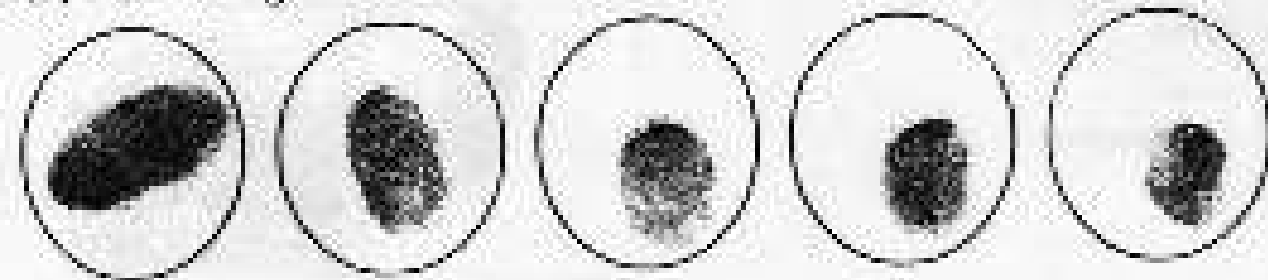
श्री. दीनमोहन गुप्त, सिद्धपुरा

प्रस्तुतकर्ता / विकेता कोला के हस्ताक्षर

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



प्रस्तुतकर्ता / विकेता कोला के हस्ताक्षर

विकेता / कोला के हस्ताक्षर

संविधान
प्रस्तावना / विचार
सर्वे शासक

References to 1991

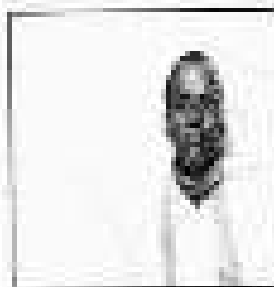
Year: 2014

Decks

0501 14 20000

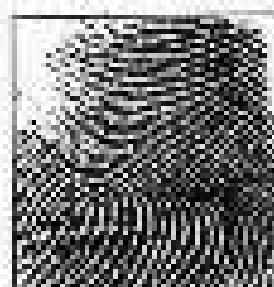
100

1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 26



0102 777 7777

1998-1999

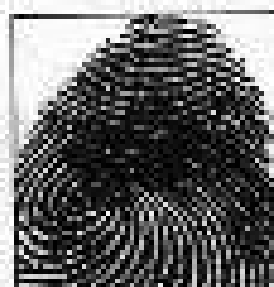


2108 4759

100

1997-1998-1999-2000-2001-2002-2003-2004-2005-2006-2007-2008-2009-2010-2011-2012-2013-2014-2015-2016-2017-2018-2019-2020-2021-2022-2023-2024-2025-2026-2027-2028-2029-2030-2031-2032-2033-2034-2035-2036-2037-2038-2039-2040-2041-2042-2043-2044-2045-2046-2047-2048-2049-2050-2051-2052-2053-2054-2055-2056-2057-2058-2059-2060-2061-2062-2063-2064-2065-2066-2067-2068-2069-2070-2071-2072-2073-2074-2075-2076-2077-2078-2079-2080-2081-2082-2083-2084-2085-2086-2087-2088-2089-2090-2091-2092-2093-2094-2095-2096-2097-2098-2099-2100-2101-2102-2103-2104-2105-2106-2107-2108-2109-2110-2111-2112-2113-2114-2115-2116-2117-2118-2119-2120-2121-2122-2123-2124-2125-2126-2127-2128-2129-2130-2131-2132-2133-2134-2135-2136-2137-2138-2139-2140-2141-2142-2143-2144-2145-2146-2147-2148-2149-2150-2151-2152-2153-2154-2155-2156-2157-2158-2159-2160-2161-2162-2163-2164-2165-2166-2167-2168-2169-2170-2171-2172-2173-2174-2175-2176-2177-2178-2179-2180-2181-2182-2183-2184-2185-2186-2187-2188-2189-2190-2191-2192-2193-2194-2195-2196-2197-2198-2199-2200-2201-2202-2203-2204-2205-2206-2207-2208-2209-2210-2211-2212-2213-2214-2215-2216-2217-2218-2219-2220-2221-2222-2223-2224-2225-2226-2227-2228-2229-2230-2231-2232-2233-2234-2235-2236-2237-2238-2239-2240-2241-2242-2243-2244-2245-2246-2247-2248-2249-2250-2251-2252-2253-2254-2255-2256-2257-2258-2259-2260-2261-2262-2263-2264-2265-2266-2267-2268-2269-2270-2271-2272-2273-2274-2275-2276-2277-2278-2279-2280-2281-2282-2283-2284-2285-2286-2287-2288-2289-2290-2291-2292-2293-2294-2295-2296-2297-2298-2299-2300-2301-2302-2303-2304-2305-2306-2307-2308-2309-2310-2311-2312-2313-2314-2315-2316-2317-2318-2319-2320-2321-2322-2323-2324-2325-2326-2327-2328-2329-2330-2331-2332-2333-2334-2335-2336-2337-2338-2339-2340-2341-2342-2343-2344-2345-2346-2347-2348-2349-2350-2351-2352-2353-2354-2355-2356-2357-2358-2359-2360-2361-2362-2363-2364-2365-2366-2367-2368-2369-2370-2371-2372-2373-2374-2375-2376-2377-2378-2379-2380-2381-2382-2383-2384-2385-2386-2387-2388-2389-2390-2391-2392-2393-2394-2395-2396-2397-2398-2399-2400-2401-2402-2403-2404-2405-2406-2407-2408-2409-2410-2411-2412-2413-2414-2415-2416-2417-2418-2419-2420-2421-2422-2423-2424-2425-2426-2427-2428-2429-2430-2431-2432-2433-2434-2435-2436-2437-2438-2439-2440-2441-2442-2443-2444-2445-2446-2447-2448-2449-2450-2451-2452-2453-2454-2455-2456-2457-2458-2459-2460-2461-2462-2463-2464-2465-2466-2467-2468-2469-2470-2471-2472-2473-2474-2475-2476-2477-2478-2479-2480-2481-2482-2483-2484-2485-2486-2487-2488-2489-2490-2491-2492-2493-2494-2495-2496-2497-2498-2499-2500-2501-2502-2503-2504-2505-2506-2507-2508-2509-2510-2511-2512-2513-2514-2515-2516-2517-2518-2519-2520-2521-2522-2523-2524-2525-2526-2527-2528-2529-2530-2531-2532-2533-2534-2535-2536-2537-2538-2539-2540-2541-2542-2543-2544-2545-2546-2547-2548-2549-2550-2551-2552-2553-2554-2555-2556-2557-2558-2559-2560-2561-2562-2563-2564-2565-2566-2567-2568-2569-2570-2571-2572-2573-2574-2575-2576-2577-2578-2579-2580-2581-2582-2583-2584-2585-2586-2587-2588-2589-2590-2591-2592-2593-2594-2595-2596-2597-2598-2599-2600-2601-2602-2603-2604-2605-2606-2607-2608-2609-2610-2611-2612-2613-2614-2615-2616-2617-2618-2619-2620-2621-2622-2623-2624-2625-2626-2627-2628-2629-2630-2631-2632-2633-2634-2635-2636-2637-2638-2639-2640-2641-2642-2643-2644-2645-2646-2647-2648-2649-2650-2651-2652-2653-2654-2655-2656-2657-2658-2659-2660-2661-2662-2663-2664-2665-2666-2667-2668-2669-2670-2671-2672-2673-2674-2675-2676-2677-2678-2679-2680-2681-2682-2683-2684-2685-2686-2687-2688-2689-2690-2691-2692-2693-2694-2695-2696-2697-2698-2699-2700-2701-2702-2703-2704-2705-2706-2707-2708-2709-2710-2711-2712-2713-2714-2715-2716-2717-2718-2719-2720-2721-2722-2723-2724-2725-2726-2727-2728-2729-2730-2731-2732-2733-2734-2735-2736-2737-2738-2739-2740-2741-2742-2743-2744-2745-2746-2747-2748-2749-2750-2751-2752-2753-2754-2755-2756-2757-2758-2759-2760-2761-2762-2763-2764-2765-2766-2767-2768-2769-2770-2771-2772-2773-2774-2775-2776-2777-2778-2779-2780-2781-2782-2783-2784-2785-2786-2787-2788-2789-2790-2791-2792-2793-2794-2795-2796-2797-2798-2799-2800-2801-2802-2803-2804-2805-2806-2807-2808-2809-2810-2811-2812-2813-2814-2815

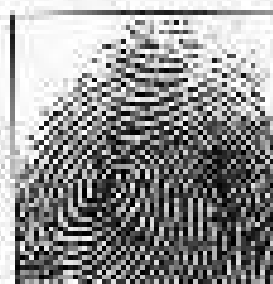
494



0:04 4:49

100

RESEARCH DESIGN





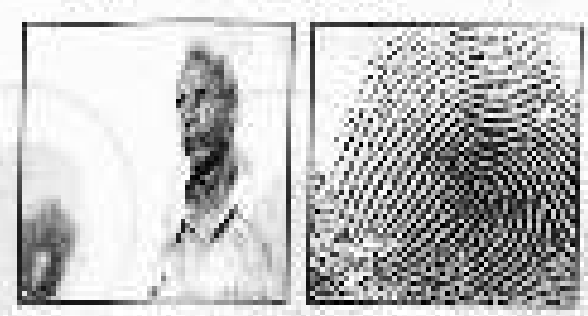
संख्या: १००
 दिनांक: २०००

भारतीय न्यायिक प्रणाली
 भारतीय न्यायिक प्रणाली
 भारतीय न्यायिक प्रणाली



Registration No. 1996 Year 2000 Book No. 1

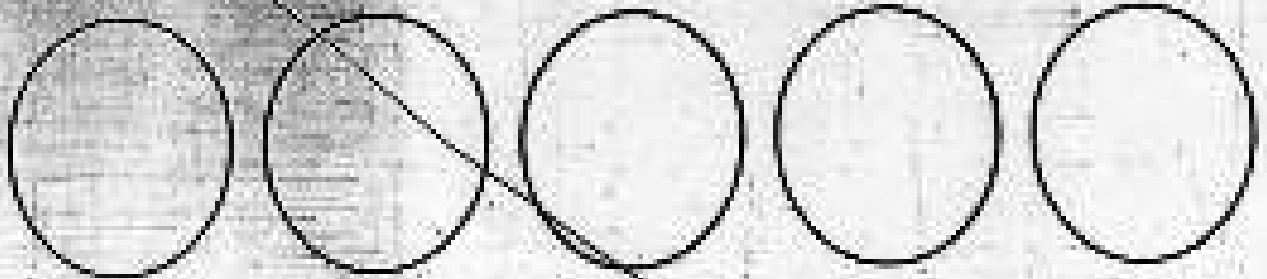
0201 मेरी माता
 मेरी माता
 मेरी माता



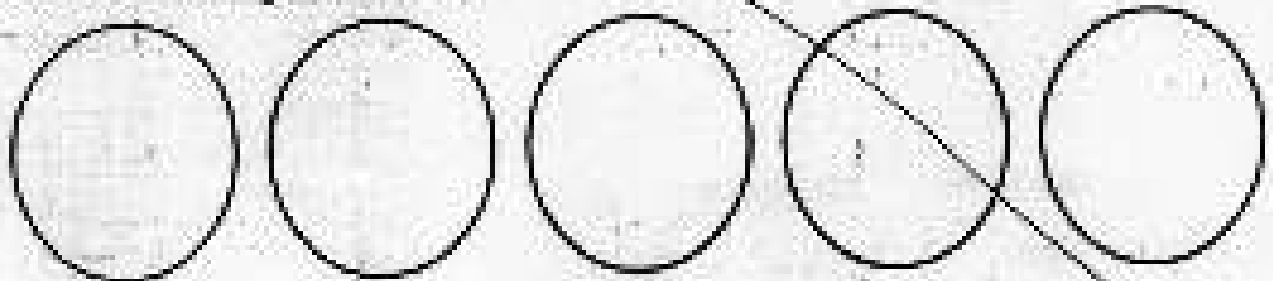
रजिस्ट्रेशन क्र. 1908 की धारा - 32 डू0 के अनुपालन हेतु,
फिंजर प्रिन्ट्स

प्रस्तुतकर्ता / विक्रेता नाम व पता :-

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



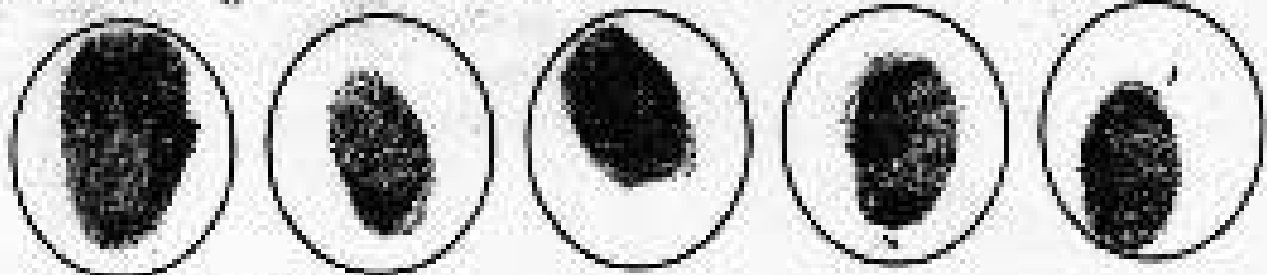
प्रस्तुतकर्ता / विक्रेता / क्रेता के हस्ताक्षर

विक्रेता / क्रेता नाम व पता :-

पिता लाल पुत्र खण्डू लाल

पिता भू गंधारी लाल

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



विक्रेता / क्रेता के हस्ताक्षर

पिता लाल

आज दिनांक 21/08/2007 को

वर्ग सं. 1 विद्यार्थी सं. 6857

पृष्ठ सं. 339 से 366 पर परीक्षा 7906

निरीक्षण किया गया।


21/8/2007

रम. एम. पात्र

उप निदेशक (टिपीय)

आर.ए.ए.

21/8/2007

